पाठ-6

समरूपी भिन्नार्थक शब्द

(i) **ओर (तरफ)** गोपाल उस ओर चला गया।

(ii) **और (तथा)** गोपाल और शंकर दोनों खेल रहे हैं।

उपर्युक्त उदाहरणों में '**ओर**' तथा '**और**' का उच्चारण लगभग एक जैसा है किन्तु दोनों के अर्थ अलग-अलग हैं, जो कि भिन्न-भिन्न प्रसंगों में प्रयोग होने से स्पष्ट होते हैं।

अतः जिन शब्दों का उच्चारण लगभग समान हो परन्तु अर्थ भिन्न-भिन्न हों, उन्हें समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

इस प्रकार के अन्य उदाहरण निम्नलिखित हैं-

•	अचल	पर्वत	•	अनल	अग्नि
	अचला	पृथ्वी		अनिल	वायु
•	अनु	पीछे	•	अन्न	अनाज
	अणु	कण		अन्य	दूसरा
•	अपेक्षा	चाह, आशा, तुलना में	•	अवश्य	ज़रूरी
	उपेक्षा	लापरवाही		अवश	बेबस
•	अवधि	समय	•	अवलम्ब	सहारा
	अवधी	अवध प्रान्त की भाषा		अविलम्ब	शीघ्र
•	असमान	जो बराबर न हो	•	आदि	आरंभ, मूल
	आसमान	आकाश		आदी	अभ्यस्त, आदत वाला
•	उपयुक्त	उचित	•	उधार	कर्ज़
	उपर्युक्त	जिसका वर्णन ऊपर किया गया हो		उद्धार	उबारना

• कल्पना	मन की उपज	• कर्म	काम
कलपना	दु:खी होना	क्रम	सिलसिला
• कुल	वंश	• खाद	उर्वरक
कूल	किनारा	खाद्य	खाने योग्य
• गिरि	पर्वत	• गृह	घर
गिरी	'गिरना' का भूतकाल	ग्रह	नक्षत्र
• गुर	उपाय	• चर्म	चमड़ा
गुरु	शिक्षक, बड़ा, भारी	चरम	अन्तिम
• दशा	हालत	• दिन	दिवस
दिशा	तरफ	दीन	गरीब
• धरा	धरती	• नम्र	विनीत
धारा	पानी का प्रवाह	नर्म	कोमल
• निश्चल	अटल	• नीयत	इरादा, इच्छा
निश्छल	छल रहित	नियत	निश्चित
• परिमाण	माप, नाप	• पानी	जल
परिणाम	नतीजा	पाणि	हाथ
• प्रणाम	नत होना, झुकना	• प्रसाद	अनुग्रह, देवता को चढ़ाई गई वस्तु
प्रमाण	सबूत	प्रासाद	महल

•	प्रहार परिहार	चोट त्याग	•	बदन वदन	शरीर मुख
•	बलि बली	बलिदान बलवान	•	बहु बहू	बहुत वधू
•	बात वात	कथन, वचन हवा	•	बालू भालू	रेत रीछ
•	माँस मास	जीव के शरीर का माँस महीना	•	मातृ मात्र	माता केवल
•	राज राज़	राज्य, शासन रहस्य	•	विषमय विस्मय	ज़हरीला अचंभा, हैरानी
•	शोक शौक	दु:ख लालसा, रुचि	•	शर सर	तीर तालाब
•	संकर शंकर	तंग भगवान शिव	•	सपुत्र सुपुत्र	पुत्र सहित अच्छा बेटा
•	समान सम्मान सामान	बराबर मान वस्तु	•	सुगंध सौगन्ध	खुशबू शपथ
•	सुत सूत	पुत्र सारथि, कता हुआ धागा	•	हस्ति हस्ती	हाथी सामर्थ्य, शक्ति

अभ्यास

निम्नलिखित समरूपी भिन्नार्थक शब्द-युग्म का प्रयोग वाक्य में करके अर्थ स्पष्ट कीजिए:-

क्रम संख्या	*शब्द युग्म*	*वाक्य*
1.	अन्न	अन्न को व्यर्थ न छोड़ें ।
	अन्य	राम के अतिरिक्त अन्य कोई स्कूल नहीं आया ।
2.	गिरि	गिरि राज हिमालय हमारे देश की उत्तर दिशा में है ।
	गिरी	वह छत से गिरी थी ।
3.	गुर	आपने हस्तकला का यह गुर कहाँ से पाया ?
	गुरु	गुरु जी नगर में कल पधारेंगे ।
4.	नियत	आप नियत समय पर कभी नहीं आते ।
	नीयत	नेता जी की नीयत तो खराब प्रतीत होती है ।
5.	प्रहार	गुंडे ने चाकू से दो प्रहार किए थे ।
	परिहार	स्वामी जी मोहमाया का परिहार कर चुके हैं ।
6.	बालू	राजस्थान में बालू के ढेर दूर से ही दिखाई दे जाते हैं ।
	भालू	मैंने जंगल में भालू देखा था ।
7.	शोक	लाल बहादुर शास्त्री जी की मृत्यु से देश में शोक छा गया ।
	शौक	पढ़ना मेरा शौक है ।
8.	विषमय	सुकरात ने विषमय प्याला बिना किसी झिझक पी लिया था ।
	विस्मय	इतने छोटे बच्चे को नाचते देख सभी विस्मय में डूब गए थे ।
9.	सपुत्र	आपके सपुत्र आगमन पर हम सब प्रसन्न हैं ।
	सुपुत्र	पूनम का सुपुत्र तो उच्च पद पर आसीन है ।
10.	हस्ति	**राजा-महाराजा , अपनी-अपनी, हस्ति-सेना लेकर युद्ध के मैदान में आ डटे थे ।**
	हस्ती	नेता जी से टकराने की हमारी कोई हस्ती नहीं है ।

प्रस्तुतकर्ता:
विनोद कुमार
हिंदी शिक्षक,
सरकारी हाई स्कूल
बुल्लेपुर,खन्ना-2 लुधियाना

संयोजक
अनवर हुसैन
हिंदी शिक्षक,
सरकारी माध्यमिक विद्यालय,
खरौड़ा, फतेहगढ़ साहिब ।